



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



सत्यनारायण (Satyanarayan)

सत्यनारायण (Satyanarayan)

विक्रय-पत्र

नेत्र पत्र का संक्षिप्त विवरण

1. भूमि पर अधिकार	: भूमि
2. पत्तिका	: पत्तिका
3. काम	: निवागपुर मस्जिद
4. समझौता कर विवरण	: भूमि राज्य संस्था-नगर

समझौता कर

सत्यनारायण (Satyanarayan)

सत्यनारायण (Satyanarayan)

सत्यनारायण (Satyanarayan)



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

1997-98

34410 2311

- 2 -

1.	मकान की छत	लकड़ें
2.	विभिन्न सामानों का संग्रह	0.000 रुकड़ें
3.	सामानों का प्याज	पुप
4.	पैरों का सुथान	गुड गरी
5.	बोयिलकूपाज	पुड भी गरी
6.	पतिवत्त की मनसाई	रुप 20, 15, 10/-
7.	मलिका	रुप 0.75, 0.00/-
8.	मकान	रुप 1.75, 1.50/-

कीमत/वजन रुकड़ों में

By: 
Secretary, Government of India



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

851317
8/10/81

- 9 -

एवं नेशनल, मिशनरी-अनुमान, उद्योगों, पत्रिका, कठौत क
लगा-लगाकर, गिरि आगे 'विज्ञापन' बना गया है, एका
अ-सल नमूनेन एक इ-कालकृत लिपिद्विह द्वारा श्री बीरेन्द्र प्रसाद
सिंह पुत्र श्री गंगाधर सिंह, बसोवन गला-सुनीय तन,
नरहरमणसी(१०) सिद्धिग, 13-रणा प्रसाद भवन लखनऊ, गिरि
आगे 'विज्ञापन' बना गया है। जे मूल निमादिन दिया गया।

एत के विज्ञापन द्वि गुमि जाता संख्या-00054 अतः
संख्या-137 रकम 0.000 बिदेस, रिगल-गाम-विज्ञापन

संख्या-137 रकम 0.000

For stamp impression & signature: [Signature]

[Signature]



उत्तर प्रदेश UTAR PRADESH

493624

महिला, पटना जिला, तहसील व विधान सभा, का
 मालिक, पति व जन्म के तहत भारतीय विधानसभा की
 वसतिग प्राप्त हुई है तथा तहसील सहायक महामंत्री, कर्ना
 माली की 1413 से 1412 में काला जमाना का
 संख्या 00054 में अनुसार विधानसभा का नाम जमाना का
 हुआ है। तथा भारतीय आज तक विधानसभा के लक्ष्य व दल
 अधिकता में मौजूद है और जो नहीं किया, बिना, आमतौर
 पूर्ण, व जमाना आदि में वसित नहीं है। विधान सभा में
 विधान सभा का अधिकार व अधिकार नहीं है और
 विधानसभा का अधिकार

विधान सभा का अधिकार

विधान सभा का अधिकार



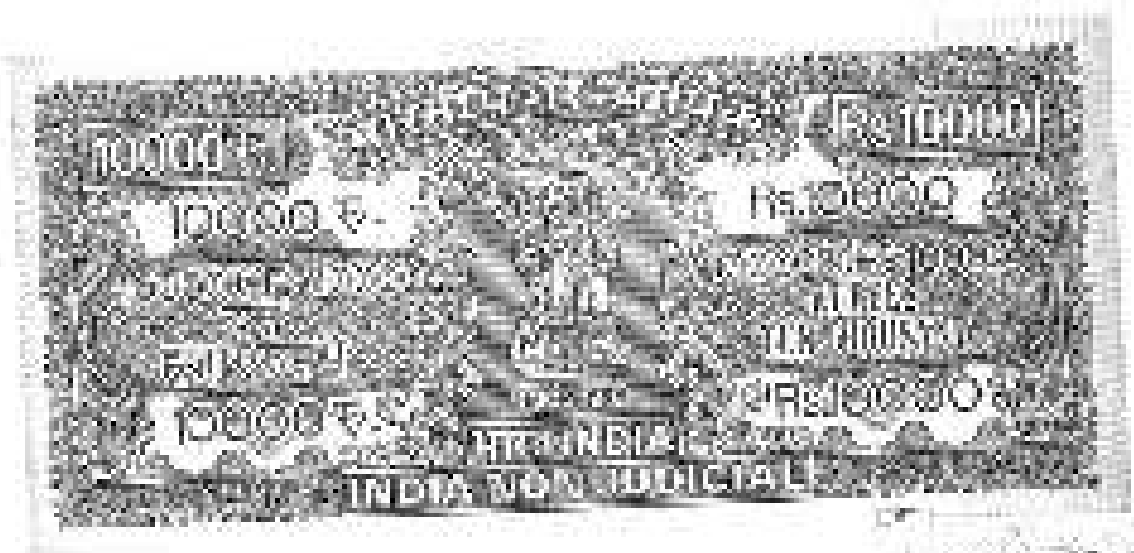
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 251625

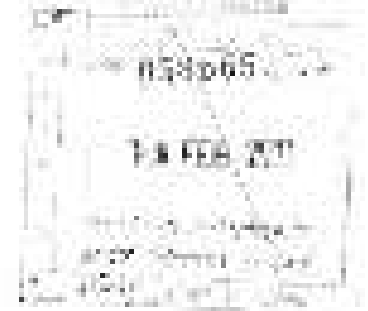
मैं ही कोई व्यक्ति गवाही दे, अब करणत मुद्रा विभाग के
अधीन भारतीय जनता पार्टी के एक अध्यक्ष के पुत्र
स्थिति एवं अधिकारी रहित बिना कोई किसी दंड या दंड के
रुद्र सौच व सम्भव बिना किसी दंड या दंड के मुद्रा सौच
25,15,800/- एवम् अद्वैत ताल गन्ध दंड आदि ही
नाम से कला न्यायिक जो एक बन्द बिना, और मुद्रा विभाग
गन्धारी नीचे दंड गरी विभाग से अनुसार प्राप्ति बन्द के कला व
गन्ध तालिका आधारी कालिका पर अथ ही तालिका से कला
अनुसार का बन्द न्युनी कला विभाग, अब विभाग व
द्वितीय विभाग

At the Principal of the Department

Signature
Date: 10/10/2020



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



5

अब से वही न्यायालय बना कर लेवे, इसमें विवेकात्मक न
न्यायालय विवेकात्मक का कोई आशय नहीं आती।

अब ऐसा जमाना तो कुछ अधिकतर है कि यह पीढ़ी
आरक्षी के सम्म में जमाना सरकारी अधिकारियों में अपने नाम
गठित कराने का है।

आरक्षी जमाना में लगी नहीं है, आरक्षी जमाना में पेड़,
लकड़ें, लुआ में इमान आदि नहीं है। आरक्षी जमाना के
200 मीटर किन्वा में कोई निमान आदि नहीं है।
हिन्दुधर्म आरक्षी जमाना

प्रमाणित किया जाता है
[Signature]
[Date]



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

157374

है। इस निष्पत्तिपर विचार कृपया यह ही कल्पना करना शक्य
1,000,000 के बराबर नहीं हो सके है।

अपेक्षित आरक्षी मुल्य मांग शर्त पर ही स्वयं से किया
जा सका है।

निर्देशन अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति से
काल नहीं है। जल आरक्षी विली बीजना व किले कालवर्ष में
जो काल की काला जल आरक्षी नहीं है।

रीजिस्ट्रार जनरल, 15/1/19

15/1/19

15/1/19



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

F 588566

-13-

2. रु0 9,38,800/- (नव्या नौ लाख अक्षतिह हजार छः सौ लख अक्षतिह सैल संख्या- 3/34/05, दिनाकिन 26.03.2011, मंजूर नैगलन किन, शाखा-कुललगन, लखनऊ (किरवा लगी इवत के नाम से)।

इस प्रकार विनितागन को कुल विनय मुल रु0 20,75,800/- (लग्या अक्षतिह लाख पक्षह हजार आठ सौ गख) भेसा से प्राप्त हु।

दिनांक 26/03/2011

By: [Signature] & [Signature]

[Signature]
[Signature]

100

1990-1991	1991-1992	1992-1993	1993-1994	1994-1995	1995-1996	1996-1997	1997-1998	1998-1999	1999-2000	2000-2001	2001-2002	2002-2003	2003-2004	2004-2005	2005-2006	2006-2007	2007-2008	2008-2009	2009-2010	2010-2011	2011-2012	2012-2013	2013-2014	2014-2015	2015-2016	2016-2017	2017-2018	2018-2019	2019-2020	2020-2021	2021-2022	2022-2023	2023-2024	2024-2025	2025-2026	2026-2027	2027-2028	2028-2029	2029-2030	2030-2031	2031-2032	2032-2033	2033-2034	2034-2035	2035-2036	2036-2037	2037-2038	2038-2039	2039-2040	2040-2041	2041-2042	2042-2043	2043-2044	2044-2045	2045-2046	2046-2047	2047-2048	2048-2049	2049-2050	2050-2051	2051-2052	2052-2053	2053-2054	2054-2055	2055-2056	2056-2057	2057-2058	2058-2059	2059-2060	2060-2061	2061-2062	2062-2063	2063-2064	2064-2065	2065-2066	2066-2067	2067-2068	2068-2069	2069-2070	2070-2071	2071-2072	2072-2073	2073-2074	2074-2075	2075-2076	2076-2077	2077-2078	2078-2079	2079-2080	2080-2081	2081-2082	2082-2083	2083-2084	2084-2085	2085-2086	2086-2087	2087-2088	2088-2089	2089-2090	2090-2091	2091-2092	2092-2093	2093-2094	2094-2095	2095-2096	2096-2097	2097-2098	2098-2099	2099-2100	2100-2101	2101-2102	2102-2103	2103-2104	2104-2105	2105-2106	2106-2107	2107-2108	2108-2109	2109-2110	2110-2111	2111-2112	2112-2113	2113-2114	2114-2115	2115-2116	2116-2117	2117-2118	2118-2119	2119-2120	2120-2121	2121-2122	2122-2123	2123-2124	2124-2125	2125-2126	2126-2127	2127-2128	2128-2129	2129-2130	2130-2131	2131-2132	2132-2133	2133-2134	2134-2135	2135-2136	2136-2137	2137-2138	2138-2139	2139-2140	2140-2141	2141-2142	2142-2143	2143-2144	2144-2145	2145-2146	2146-2147	2147-2148	2148-2149	2149-2150	2150-2151	2151-2152	2152-2153	2153-2154	2154-2155	2155-2156	2156-2157	2157-2158	2158-2159	2159-2160	2160-2161	2161-2162	2162-2163	2163-2164	2164-2165	2165-2166	2166-2167	2167-2168	2168-2169	2169-2170	2170-2171	2171-2172	2172-2173	2173-2174	2174-2175	2175-2176	2176-2177	2177-2178	2178-2179	2179-2180	2180-2181	2181-2182	2182-2183	2183-2184	2184-2185	2185-2186	2186-2187	2187-2188	2188-2189	2189-2190	2190-2191	2191-2192	2192-2193	2193-2194	2194-2195	2195-2196	2196-2197	2197-2198	2198-2199	2199-2200	2200-2201	2201-2202	2202-2203	2203-2204	2204-2205	2205-2206	2206-2207	2207-2208	2208-2209	2209-2210	2210-2211	2211-2212	2212-2213	2213-2214	2214-2215	2215-2216	2216-2217	2217-2218	2218-2219	2219-2220	2220-2221	2221-2222	2222-2223	2223-2224	2224-2225	2225-2226	2226-2227	2227-2228	2228-2229	2229-2230	2230-2231	2231-2232	2232-2233	2233-2234	2234-2235	2235-2236	2236-2237	2237-2238	2238-2239	2239-2240	2240-2241	2241-2242	2242-2243	2243-2244	2244-2245	2245-2246	2246-2247	2247-2248	2248-2249	2249-2250	2250-2251	2251-2252	2252-2253	2253-2254	2254-2255	2255-2256	2256-2257	2257-2258	2258-2259	2259-2260	2260-2261	2261-2262	22
-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	----

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
जन्म कालः
दिनांक १० मार्च २०१८



लिखता यह इलाक़ा विवेकागण ने अपनी खुशी व
सुखपूर्वी ही ख़ुश होने व सम्पन्न कर बिना किसी शर्त के, लेता
समयका के पक्ष में लिख दिया । कि सम्पन्न रहे और नुक़्त करलता
एक काम अर्थ।

अतः आज ज़रा मशीन ने इस लिखत विवेका पर
अपनी-अपनी हस्ताक्षर करके इस निमादिता किया।

दिनांक :- 25.03.2011

जयभक्त

गणपति

1.

धर्मार्थ

इसे सम्पन्न करेगा 2011

व्यक्तिगत, इस विवेका का एक प्रमाण है

अर्थ :- 2011

दीनरद्वारा

व्यक्तिगत

विवेकागण

दिनांक 25.03.2011 के अन्तर्गत

2. दिनांक 25.03.2011 के अन्तर्गत

विवेका का एक प्रमाण है

वि. 2011 के अन्तर्गत

अर्थ :- 2011

दीनरद्वारा

मैरा

दर्शकता :

दीनरद्वारा

दीनरद्वारा

दिनांक 25.03.2011

मैराद्वारा :

दीनरद्वारा

(मैराद्वारा)

दीनरद्वारा

संस्कृत भाषा - 3.2

संस्कृत - संस्कृत भाषा

संस्कृत - संस्कृत भाषा

संस्कृत - संस्कृत भाषा



For Land Revenue & Survey

संस्कृत भाषा

संस्कृत भाषा

संस्कृत भाषा

संस्कृत भाषा

संस्कृत भाषा

ਸਿਰਲੇਖ

ਫਾਈਲ ਨੰਬਰ : 2011

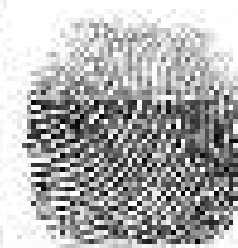
ਸੰਨ

2011

ਪੇਜ ਨੰਬਰ : 1

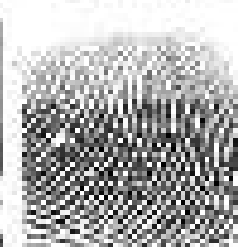
1031 ਫਾਈਲ ਨੰਬਰ : 15-93-13

ਪਤਾ ਨੰਬਰ
ਫਾਈਲ ਨੰਬਰ : 15-93-13
20



1066 ਫਾਈਲ ਨੰਬਰ :

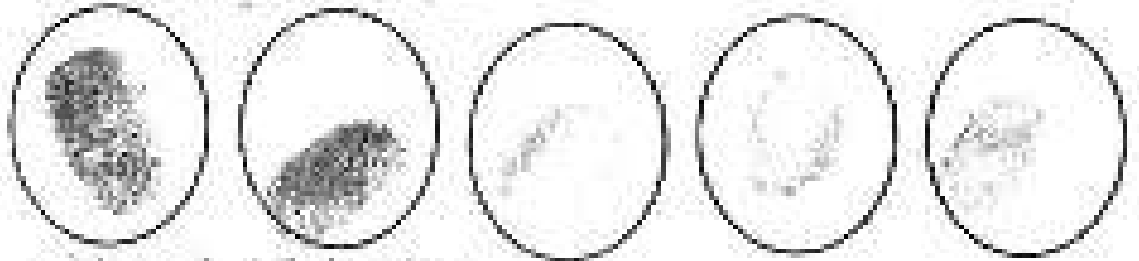
ਪਤਾ ਨੰਬਰ
ਫਾਈਲ ਨੰਬਰ : 15-93-13
25



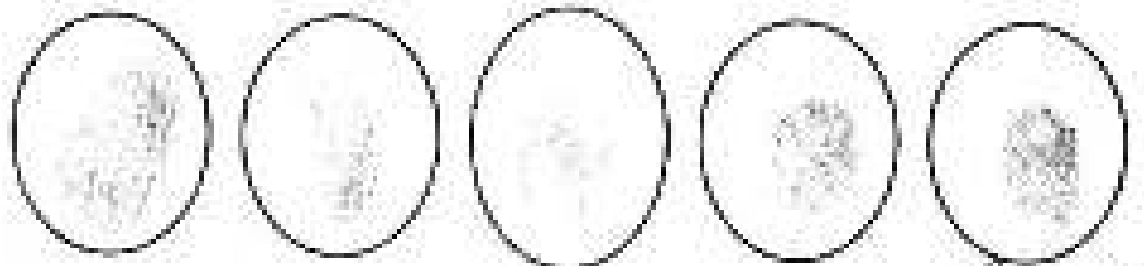
रजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए के अनुपालन
के लिये फिंगर प्रिन्ट्स

फिंगर का नाम व पता—दाहिनी इंगल पुर्व मूल्य राश व इंडियन
मुद्रास्थान का उपयोग हुए मूल्य राश की-अनुमति राश का उपयोग
करने के लिये प्रमाणित।

यहाँ राश के अंगुली के फिन्ट -



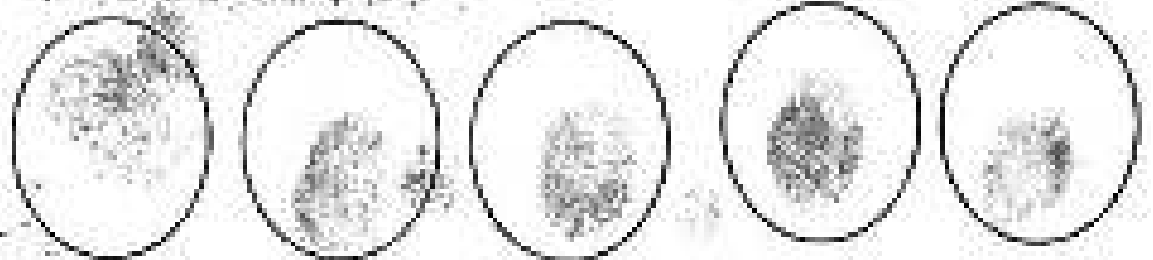
दाहिने हाथ के अंगुली के फिन्ट -



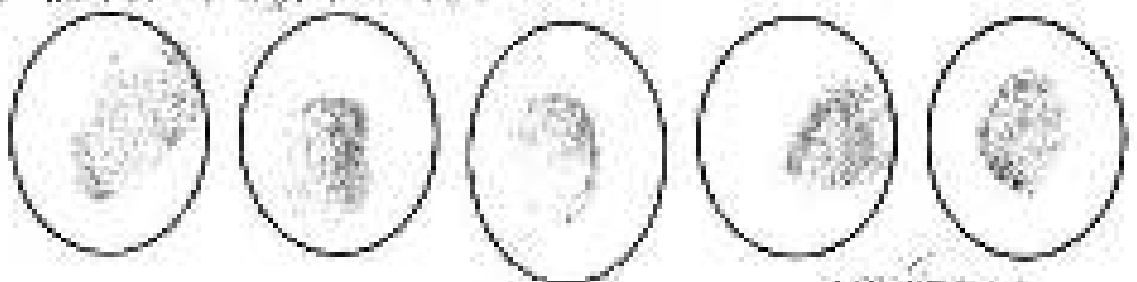
रजिस्ट्रेशन

फिंगर का नाम व पता—दाहिनी मध्य पुर्व मूल्य राश व इंडियन
मुद्रास्थान का उपयोग हुए मूल्य राश की-अनुमति राश का उपयोग
करने के लिये प्रमाणित।

यहाँ राश के अंगुली के फिन्ट -



दाहिने हाथ के अंगुली के फिन्ट -



रजिस्ट्रेशन
फिंगर के इलाका

0000

Registration No. 0000

Page 0000

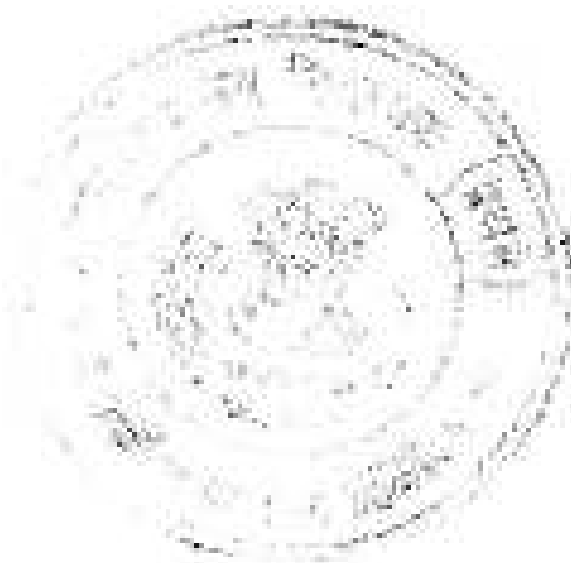
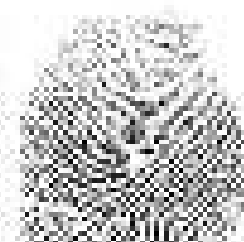
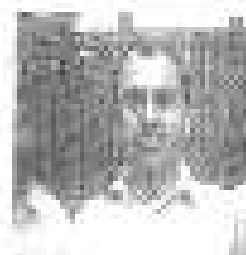
Date 00/00/00

0000 0000 0000 0000 0000 0000

0000 0000

0000 0000 0000

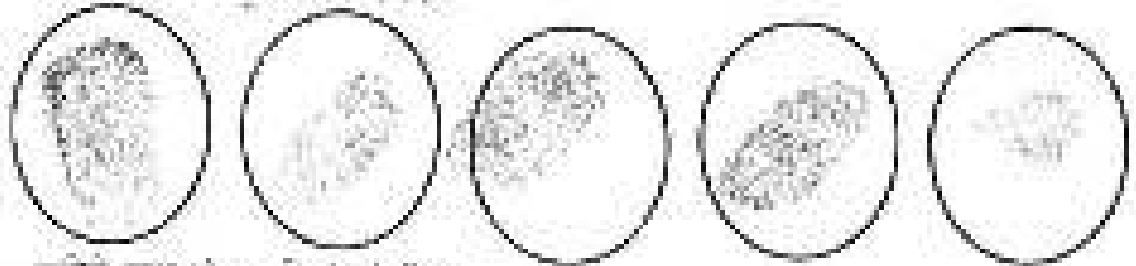
0000



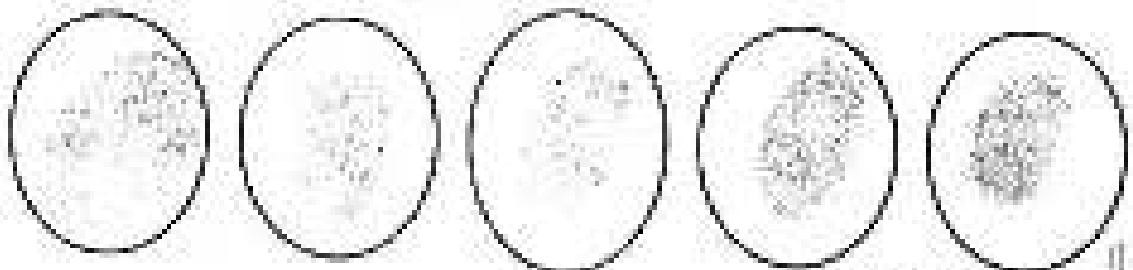
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32-ए, के अनुपालन
हेतु फिंगर प्रिंट्स

बेना का नाम व पता - अन्नाल प्रायदीन एण्ड इन्फान्ट्स लिमिटेड ५२ श्री
बालद प्रताप सिंह रोड श्री गणपति सिंह, कोरा प्रतापपुरा तहसील
नवागढ़ जिला जयपुर राजस्थान

बाई दादा के अंगुलिओं के चिन्ह



बाई दादा के अंगुलिओं के चिन्ह -

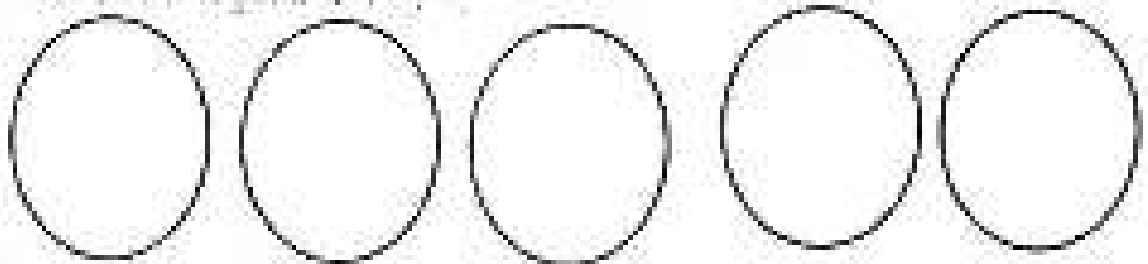


अन्नाल प्रायदीन एण्ड इन्फान्ट्स लिमिटेड

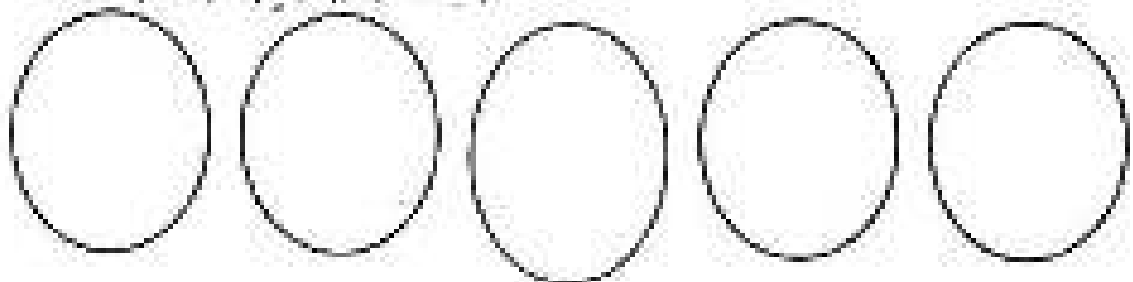
बेना के अंगुलिओं के चिन्ह

बेना का नाम व पता -

बाई दादा के अंगुलिओं के चिन्ह



बाई दादा के अंगुलिओं के चिन्ह -



बेना के अंगुलिओं के चिन्ह

आवक नं. 2503/2011 वर

अ.स. 1 दि.स. 12465

कुल नं. 1 र. 13 अ.स. 4054

विशेषता वि.स.।

विशेषता वि.स.।

पी. ज. वि.स.।

चर वि.स.।

स.स.।

स.स.।

